ओजोन परत के छिद्र होने से पराबैंगनी किरणें पृथ्वी पर पहुँचने लगती हैं। जिनसे कई तरह की बिमारियाँ उत्पन्न होती हैं जैसे - त्वचा रोग, त्वचा कैंसर, अंधापन एवं मोतियाबिन्द आदि।

अम्ल वर्षा (Acid Rain) ÷

पृथ्वी के वायुमण्डल में सल्फर डाई ऑक्साइड (SO_2) और नाइट्रोजन ऑक्साइड (NO_2), जल (H_2O) के साथ क्रिया करके नाइट्रिक अम्ल और गंधक का तेजाब बनकर पृथ्वी पर वर्षा के रूप में बरसते हैं, इसे ही अम्ल वर्षा कहते हैं। यह अम्लीय होता है, जिसका pH मान 5.7 से कम होता है।

$SO_2 + H_2O \rightarrow H_2SO_3$ (सल्फ्यूरस अम्ल)

$SO_3 + H_2O \rightarrow H_2SO_4$ (सल्फ्यूरिक अम्ल)

अम्ल वर्षा से होने वाले दुष्प्रभाव ÷

(i) पेड़-पौधों पर प्रभाव

(ii) जीव-जन्तुओं पर प्रभाव

(iii) पदार्थों पर प्रभाव

(i) पेड़-पौधों पर प्रभाव ÷ अम्ल वर्षा से पौधे नष्ट हो जाते हैं तथा पत्तों का रंग भी उड़ने लगता है।

2. जीव-जन्तु पर प्रभाव ÷ जल में रहने वाले सभी जीव 4 से कम pH मान की वर्षा की एक भी बूँद सहन नहीं कर सकते हैं।

3. पदार्थों पर प्रभाव ÷ इसके प्रभाव से लोहे की सतह पर नीला $FeSO_4$, कॉपर की सतह पर $CuSO_4$ हरे रंग का एवं एल्युमिनियम की सतह पर सफेद रंग का $Al_2(SO_4)_3$ अवक्षेप जम जाता है।

Scanned by TapScanner